







आज

भारत विकास परिषद उत्तर मध्य क्षेत्र-1 द्वारा क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय सम्मुहगान प्रतियोगिता, हिन्दी गीत, संस्कृत गीत एवं लोकगीत का उद्घाटन बुद्धि विहार स्थित हाइट हाउस बैंकेट हाल में सुबह 10:30 बजे

नगर विधायक द्वारा ग्रीन फील्ड स्कूल महबूलगांज वार्ड 26 में जनता दर्शन कार्यक्रम दिन में 11:00 बजे

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट द्वारा विचारपूर्ण जयंती, रक्तदान शिविर एवं समारोह का आयोजन रमणगांग विहार स्थित मिट्टिअन लवल में दोपहर 12:00 बजे

## न्यूज ब्रीफ

शिवसेना के नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान आज

मुरादाबाद, अमृत विचार: शिवसेना द्वारा आज 11 बजे रेलवे स्टेशन से एक रैली निकाली जाएगी। इसमें नवीन पदों पर नियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकारी आयोजनार्थी का सम्मान किया जाएगा। शनिवार को प्रेस सचिव रामप्रसाद द्रजापाति ने बताया कि जिले में शिवसेना एक कानून शिविर की नई कार्यकारियों की घोषणा के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों का रवागत किया जाएगा। इससे पहले सभी प्रमुख पदाधिकारियों से रेलवे स्टेशन से रेली निकाल कर जिला प्रमुख नहीं घोषी के आवास पर पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। रेली में साठान के कई विधायक एवं राजनीतिक शामिल होंगे। इसमें मंडल प्रमुख व विधायक समूह मुरादाबाद प्रभारी नितिवान जैला, जिला प्रभारी मरोज कुमार, महानगर प्रमुख रजत श्रीत्रिया, राज्य प्रवारक कुशल सिंह, मंडल प्रमुख गुरु संगी दिवित अन्य नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा।

जरगांव मुबारकपुर फीडर के गांव में बाधित रहेगी बिजली

जलारी, अमृत विचार: 33 केवी विधुत उपर्योग जरगांव मुबारकपुर के गांव में घरेलू घर निजी नलकूपों की सप्लाई 9 नवंबर रविवार को संबोरे 11:05 बजे से शाम 5:05 बजे तक पूर्ण रूप से बंद रहेगी। 33 केवीए लाइन की पेंडों की छाँटी का कार्य अपर्क जरगांव के खिलाफ बढ़ाया जाएगा। इसके बाद जरगांव के गांव पर गांव में घरेलू घर निजी नलकूपों को बदलकर नारी एपीएमों लगाया जाएगा। जिसके कारण जरगांव जिली घर से जुड़े गांव जरगांव, जमालपुर, सुजानपुर, पहाड़पुर, नमैनी गढ़ी, नारायणपुर देवा, डिल्हिमुर, कुर्बारी, कनोवी, डोरी, चिडिया भदन, सादपुर, कठीर, कुसरो, बरीली, चंदोरा, शम सिंह उड़ी झुड़ी, धमाली, सैदपुर मलू आदि गांव की जिली सप्लाई बाधित रहेगी। इसके अलावा मुबारकपुर, रमपुरा, हयातपुर खोका, अजमिनगर जयंती डोरी आदि गांव में भी जिली सप्लाई नियंत्रण करायी जाएगी। यह जलारी की जारी रुक्कें देखने के अंतर अधिगत जयंती रुक्कें देखने के लिए जाएगी।

गोशालाओं में अलाव और पर्दे लगाने के निर्देश

जिला, अमृत विचार: ठंड शुरू होते ही प्रशासन ने गोशालाओं में गोवश को बगान के लिए नियंत्रण जारी किए हैं। खेड़ विकास संघर्ष नियंत्रण नियंत्रण के बाद पर्दे लगाने के लिए राज्य संघर्ष जिला विचार को उठाया जाएगा। वह इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

तमंचे से डराकर युवती का अपहरण, बंधक बना किया दुष्कर्म

संवाददाता, ताकुरद्वारा

अमृत विचार: युवती का अपहरण और कई दिनों तक बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आपराध है कि दो युवक युवती को तमंचे के बाद पर अगवा कर ले गए और बस-ट्रैक के जरिये देहांतन कर दिया गया। यह दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने क्षेत्राधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि एक युवक पिछले चार वर्षों से उसे बहलाकर शादी के लिए देवाव डाल रहा था। इंकार करने के बावजूद युवक ने अपने रिश्तेदार का मदद से उसे अगवा करने की जोगीना बनाई। 2 नवंबर को जब वह सहेली की शादी में शामिल होने के लिए घर

## सुप्रीम आदेश के बाद भी कुत्तों पर लगाम नहीं, लोगों को कर रहे जख्मी

स्कूल, अस्पताल सहित अन्य जगहों पर खुले में घूम रहे कुत्ते, लोगों में दहशत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद



जिला अस्पताल में घूमते कुत्ते।

• एउरवी का इंजेक्शन लगावाने के लिए पीड़ित पहुंच रहे अस्पताल



जिला अस्पताल में घूमते कुत्ते।

## उत्पीड़न से बचने का एकमात्र उपाय समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी की जिला इकाई की मासिक बैठक शनिवार को सपा जिला कार्यालय पर हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने काट कर जलायी बैठक पर मरीज की जगह कुत्ते आराम फरमाते दिखते हैं। यह स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को स्कूल, अस्पताल सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आवारा व

जिला अस्पताल में घूमते कुत्ते। यह जिला इकाई की मौतों से कहा कि अगर जनता को उत्पीड़न और अत्यावास से मुक्ति चाहते हों तो अपनी सरकार बनाना ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बोट की रक्षा करती है और एक जुट होकर मतदान करना है क्योंकि एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पीड़ीए के संदेश का हर गांव, पुरावा, बस्ती और मोहल्ले तक पहुंचना होगा। जब पीड़ीए की सरकार बनेगी तभी

जिला अस्पताल में घूमते कुत्ते।

• समाजवादी पार्टी की जिला इकाई की मासिक बैठक

आमजन का सम्मान, संविधान और वोट का अधिकार बनेगा।

बैठक में पूर्व विधायक हाजी

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

• समाजवादी पार्टी की जिला इकाई की मासिक बैठक

आमजन का सम्मान, संविधान और वोट का अधिकार बनेगा।

बैठक में पूर्व विधायक हाजी

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच रोमांचक शोधन किया गया। इस दौरान शरीर का अपराध बन जाएगा।

पाशा, बाबर खान, विकास चौधरी, राजेश्वर यादव, गीता यादव, हाजी उत्समान, आदित्य चौधरी, तहजीब आलम, भूरा मलिक, राकेश दानव, तुषार रसोगी, हिमंशु सेनी, जयकुमार प्रजापति सहित बड़ी संसदीय में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति रही। मै









## सिटी ब्रीफ

कार की टक्कर से  
बाइक सहित खाई में  
गिरा युवक घायल

मनोटा, अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के जागा संभल मार्ग पर दबोई कला के पास कार से टक्कर कर बाइक सवार खाई में पिंगर कर घायल हो गया। टक्कर मरने के बाद कार सवार कार छोड़कर भग गया। और पर पहुंची पुलिस ने कार को कठे लेकर थाने किया। घायल की इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है थाना क्षेत्र के गांव नटो वाली मट्टैया निवासी नेपाल बाइक से मनोटा बाजार से घर को जा रहा था। जैसे ही वह दबोई कला के पास पहुंचा तो समाफ़ की ओर से आ रही तेज टक्कर करार के लिए टक्कर कर मार दी। टक्कर लगते के बाद बाइक सवार नेपाल बाइक सहित खंडक में जा गिरा। टक्कर मरने के बाद कार सवार अपीली कार को छोड़कर भग गया। और पर पहुंची पुलिस ने कार को कठे लेकर घायल की इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजाया। उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

12 दंपतीयों की फिर से  
पटरी पर लौटी जिंदगी

बहुजोई, अमृत विचार: पुलिस परिवार परामर्श सुनूल समझौता केंद्र पर 12 दंपतीयों में समझौते के आधार पर अपना विवाह समाप्त करते हुए एक बार फिर से साथ-साथ रहने का फैसला किया। प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने बताया कि 140 पत्रवाली सुनकर 53 पत्रवाली का निस्तारण किया गया है। 12 दंपतीयों में समझौते के आधार पर अपना विवाह समाप्त कर दिया। 10 पत्रवाली विधिक कारबोइंग की गई है। 31 पत्रवाली नियामन में होने के कारण बंद कर दी गई है। इस दौरान काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लव योगन वाणीया एडोबोट, बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा अर्थ, कंवन माहेश्वरी ने सहयोग किया।

बाइक सवार पर  
हमलावर हुआ जंगली  
जानवर

संभल/मनोटा, अमृत विचार: शेखपुरी खालासा निवासी गोरु कुमार सैनी शुक्रावर देर शाम दबोई लेकर गांव समीली से वापस लौट रहा था। सड़क किनारे एक जंगली जानवर दिखाई दिया। बाइक पास पहुंची तो जानकर ने उस पर खाटूने का प्रयास किया। युक्त धराकर करने पर खाटूने का बाइक लेकर गांव निकला। ग्रामीणों ने वापसी पहले गांव के ही पीरीदेह रिंग को जंगले पर आधार दिखाई दिया। वन रेंजर मनोज कुमार ने बताया कि जंगली जानवर की सही लोकेशन अभी नहीं मिल पाई है। जैसे ही लोकेशन में होती है, पिंगरा लगाया जाएगा।

सफर में सड़क पर जल्दबाजी  
देती है हादसे को निमंत्रण

चंदौसी में लोगों को जागरूक करते यातायात पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

चंदौसी, अमृत विचार: यातायात माह के अन्तर्गत एम वर्ल्ड स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विशेषज्ञों व अधिकारियों ने समझाया कि जल्दबाजी हादसे को निमंत्रण देती है, इसलिए सड़क पर यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पम्पलेट वितरित करने की जानकारी दी गई। यातायात पुलिस टीम ने अपील की नियमों का पालन करें।

चंदौसी की बाजारों में

परिषदीय विद्यालय में एसआईआर को लेकर निर्देश देते डॉ. राजेंद्र पैसिया।

विस्तृत जानकारी भी संबंधित है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सेंजना मुस्लिम तथा उच्च प्राथमिक कॉर्पोरेशन विद्यालय का निरीक्षण कर विधानसभा निर्वाचक नामांकनी के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अधियान से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्र वितरण की प्रगति की जानकारी ली और मौके पर ही गणना प्रपत्र की दो-दो प्रतियों में वितरण किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि 9 नवंबर को भी गणना प्रपत्रों का वितरण किया जाए और 11 नवंबर तक 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया जाए। उन्होंने गणना प्रपत्र से जुड़े निर्देशों और प्रक्रिया की

विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

जिलाधिकारी ने कहा कि 9

नवंबर को भी गणना प्रपत्रों का

वितरण किया जाए और 11 नवंबर तक 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया जाए। उन्होंने गणना प्रपत्र से जुड़े निर्देशों और प्रक्रिया की

विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सेंजना मुस्लिम तथा उच्च प्राथमिक कॉर्पोरेशन विद्यालय की शैक्षिक तथा भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

अध्यापकों को विद्यालय परिसर

की स्वच्छता पर निरंतर ध्यान देने

एवं कर्मचारी उपस्थित हो

रहे।

परिषदीय विद्यालय में एसआईआर को लेकर निर्देश देते डॉ. राजेंद्र पैसिया।

विस्तृत जानकारी भी संबंधित है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सेंजना मुस्लिम तथा उच्च प्राथमिक कॉर्पोरेशन विद्यालय की शैक्षिक तथा भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

उपरिज्ञान विद्यालय की प्रगति की

जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

अध्यापकों को विद्यालय परिसर

की स्वच्छता पर निरंतर ध्यान देने

एवं कर्मचारी उपस्थित हो

रहे।

परिषदीय विद्यालय में एसआईआर को लेकर निर्देश देते डॉ. राजेंद्र पैसिया।

विस्तृत जानकारी भी संबंधित है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सेंजना मुस्लिम तथा उच्च प्राथमिक कॉर्पोरेशन विद्यालय की शैक्षिक तथा भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

उपरिज्ञान विद्यालय की प्रगति की

जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

उपरिज्ञान विद्यालय की प्रगति की

जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

उपरिज्ञान विद्यालय की प्रगति की

जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार

स्वच्छता कार्य कराया जाए।

उपरिज्ञान विद्यालय की प्रगति की

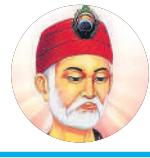
जायजा लिया और साफ-सफाई

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि

मेरा विद्यालय स्वच्छ विद्यालय

अधियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से भी नियमित मानकों के अनुसार





मेरा मुख में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तरा।  
तेरा तुझकीं सौंपता, त्वा लगी है मेरा॥

कवीरदास जी कहते हैं, मेरे पास मेरा अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति सब कुछ तुहारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है, तो उसकी प्राप्ति कैसे? इसमें मेरा कुछ भी नुकसान नहीं है, वयोंकि मेरे दी हड्डी वीजे, तुझ ही सम्पत्ति करता है।

## वंदे मातरम् : राष्ट्रीय पुनर्जगित का बीज मंत्र

शब्दों के घटक अक्षर और अक्षर की घटक ध्वनि। ध्वनियों के कुशल संयोजक राग गहरे हैं। कोई शब्द अपनी अक्षर शक्ति से मंत्र बन जाते हैं। ऐसा अक्षर नहीं होता। ऐसा तभी होता है, जब दिक्काल शुभ मुहूर्त की रचना करे। ऐसी मूर्ख में उत्पन्न होता है शक्तिशाली शब्द, जिसका पुरुशरण होता रहता है। वंदे मातरम् बैंकिंग चन्द्र के उत्पन्न 'आनंद मठ' का हिस्सा है। राष्ट्रीय अंदोलन में भारत के अवनि अंबर वंदे मातरम् के धोष से बहुत रहे हैं। वंदे मातरम् राष्ट्रीय पुनर्जगित का बीज मंत्र है। अभी तीन दिन पहले इसकी 100 वीं जन्म जयंती मनाई गई। उनियां एकी भी देश में घर-घर पहुँचने वाली ऐसी काव्य रचना नहीं मिलती।

'वंदे मातरम्' मंत्र का आवतरण वैदिक ऋग्वेदों की ही तरह 7 नवंबर, 1875 को हुआ। अंग्रेजी राज के विशद्द देश की सांस्कृतिक राष्ट्र भावाभिव्यक्ति वंदे मातरम् में प्रकट हुई। 'वंदे मातरम्' 'आनंद मठ' (1882) में छापा। कांग्रेस 1885 में बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता में हुए अधिवेशन (1886) में हेमेन्द्र बाबू ने वंदे मातरम् गया। अव्यक्ष मौ. रहमत उल्लाह सयानी ने कोई प्रतिवाद नहीं किया। 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैटोर ने इसे देशराग एक ताल में गया। विट्टस्त सत्ता वंदे मातरम् से डर गई। सकारान ने बंगाल विभाजन की धोषणा की। विरोध शुरू हो गया। बंगाल 16 अक्टूबर, 1905 के दिन लगा होना था। बंगाल धधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, दिन दैर इंडियन रिवोल्यूशन बिगैन।' वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगाल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लालीचाच किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकरा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रांतियां लिखने पर मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने 'वंदे मातरम्' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्वेष हवाया। उन्हें 6 माह की सजा की धोषणा हुई। अदालत के बार वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लालीचाच में दूर बैठा 15 वर्षीय शिशु सुशोल कुमार भी पीटा गया।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।"

उसने प्रतिवाद किया। उसे 15 बेटों की सजा सुनाई गई। वंदे मातरम् बेट की हर मार पर उसने 'वंदे मातरम्' कहा। 1905-06 वंदे मातरम् के उत्पाद का कालखंड है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भवित्व का स्वामिन बना।

भारत के अनेक भाषा भाषी कवियों ने 'वंदे मातरम्' अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंतल ने तेलुगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का असंतु विद्युत विद्युत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान (समिति राष्ट्रपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के मात्रम् से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विणु दिंबांग पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मौ. अली ने तक दिलचस्प है। उनके तक और स्पष्टीकरण गले नहीं प्रतिकार किया। पुलस्कर गाय तरह रहा। वंदे उत्तरत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान जी मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की विदेशी अधिकारी वंदे मातरम् का आपेक्षित होता है।" वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भवित्व का स्वामिन बना।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने बताया, "वंदे मातरम्" का विवाद किया। उसने वंदे मातरम् का अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंतल ने तेलुगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का असंतु विद्युत विद्युत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान (समिति राष्ट्रपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के मात्रम् से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विणु दिंबांग पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मौ. अली ने तक दिलचस्प है। उनके तक और स्पष्टीकरण गले नहीं प्रतिकार किया। पुलस्कर गाय तरह रहा। वंदे उत्तरत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान जी मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की विदेशी अधिकारी वंदे मातरम्" का आपेक्षित होता है। पुलस्कर ने कई राष्ट्र गायां की विदेशी अधिकारी वंदे मातरम् का आपेक्षित होता है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भवित्व का स्वामिन बना।

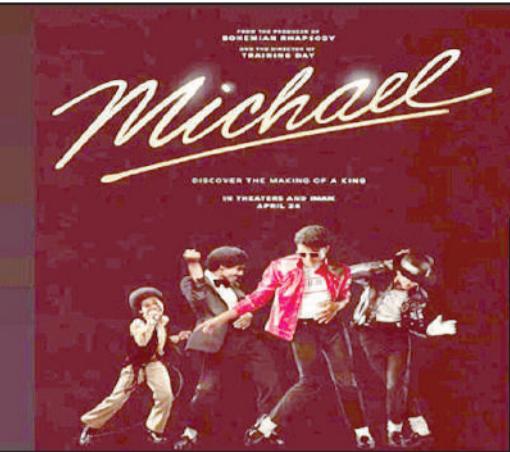
प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "वंदे मातरम्" का अनुवाद किया। उसने वंदे मातरम् का अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंतल ने तेलुगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का असंतु विद्युत विद्युत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान (समिति राष्ट्रपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के मात्रम् से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विणु दिंबांग पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मौ. अली ने तक दिलचस्प है। उनके तक और स्पष्टीकरण गले नहीं प्रतिकार किया। पुलस्कर गाय तरह रहा। वंदे उत्तरत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान जी मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "वंदे मातरम्" का अनुवाद किया। उसने वंदे मातरम् का अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंतल ने तेलुगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का असंतु विद्युत विद्युत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान (समिति राष्ट्रपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के मात्रम् से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विणु दिंबांग पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मौ. अली ने तक दिलचस्प है। उनके तक और स्पष्टीकरण गले नहीं प्रतिकार किया। पुलस्कर गाय तरह रहा। वंदे उत्तरत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान जी मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "वंदे मातरम्" का अनुवाद किया। उसने वंदे मातरम् का अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंत



## पॉप के बादशाह की बायोपिक 'माइकल' में नजर आएंगे



# उनके भतीजे जाफर जैक्सन

माइकल जैक्सन को दुनिया भर में 'पॉप का बादशाह' कहा जाता है। उन्होंने संगीत, नृत्य और मनोरंजन की दुनिया में ऐसा क्रांतिकारी योगदान दिया, जिसे नई परिभाषा देने का श्रेय

भी उन्हीं को जाता है। उनके आइकॉनिक एल्बम - 'थ्रिलर', 'बैड' और 'डेंजरस' ने पॉप संगीत के इतिहास की दिशा

बदल दी। उनकी विशिष्ट

कलात्मकता, रिदमिक संगीत,

नवोन्मेषी वीडियो और मूनवॉक

जैसा दिग्गज डांस मूव पॉप संस्कृति को नई ऊँचाई तक ले गए। इसी महान कलाकार की जिंदगी पर आधारित बायोपिक

'माइकल' का टीजर हाल ही

में जारी किया गया है। 16 नवंबर को जारी किए गए इस एक मिनट के टीजर में माइकल जैक्सन का किरदार उनके सगे भतीजे जाफर जैक्सन निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म में कॉलमैन डोमिंगो, निया लॉन्ग और माइल्स टेलर जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

### टीजर में माइकल की दुनिया की झलक

टीजर की शुरुआत स्टूडियो में जाफर जैक्सन द्वारा निभाए गए माइकल के किरदार से होती है, जहां वे हेडफोन लगाकर रिकॉर्डिंग की तैयारी करते दिखते हैं। इसके बाद स्टूडियो से सीधे दूश्य एक घरे हुए स्टेडियम पर कट होते हैं, जहां माइकल की लोकप्रियता की भव्य झलक दिखाई देती है। एक मिनट के टीजर में माइकल की दुनिया की झलक नजर आई। टीजर में माइकल के पेट के डिस्को बॉक्स-अप शॉट्स और एक बोर्ड पर चिपके नोट्स नजर आते हैं, जिन पर 'Beat It' और 'Billie Jean' लिखा है। गौरतलब है कि 1983 में रिलीज हुआ 'Beat It' माइकल जैक्सन की डिस्कोग्राफी में एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जाता है। इसमें उन्हें वैशिष्ट्यक सिराया बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 80 के दशक के संगीत का चेहरा बदल दिया। इसी दौरान टीजर में यह भी दिखाया गया है कि कैसे जाफर जैक्सन मच पर माइकल जैसी जादुई नृत्य ऊँचाई को साथ परकौंट करते हैं और उनकी

आवाज भी एक पल को दर्शकों को प्रभित कर देती है कि यह माइकल ही है।

जाफर की अदाकारी देखकर फैस हैरान हैं और लगातार इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेट किया - "जाफर को माइकल का किरदार मिलना चाहिए।" दूसरे ने लिखा - "जाफर को माइकल का किरदार निभाते देख बहद खुशी हो रही है। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।" तीसरे ने कहा - "उनकी आवाज बिल्कुल अपने चाचा जैसी है।"

### अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म दुनिया के सबसे लोकप्रिय और रहस्यमय कलाकारों में से एक की जिंदगी के उन वहलुओं को सामने लाने का वादा करती है, जिन्हें कम लोगों ने जाना है। इस बातें कि

माइकल जैक्सन कैसे एक अद्वितीय परफॉर्मर बने और उनकी प्रसिद्धि के पीछे कितनी महत्व और संघर्ष छिपा था। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



## ईरान की निःशक्ति एवं एक दूसरी अलीदूस्ती

तारानेह अलीदूस्ती, एक ऐसा नाम है, जो ईरानी सिनेमा के साथ-साथ वहां के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण रखता है। 12 जनवरी 1984 को तेहरान में जन्मी निःशक्ति

एवं एक दूसरी अलीदूस्ती और जेल यात्रा

अभिनय की शुरुआत और ऑस्कर तक का सफर

अलीदूस्ती ने उनके कम उम्र में जीवन की दुनिया में कदम रख दिया था। 17 साल की उम्र में उनकी पहली फिल्म 'आई एम तारानेह', 15' (2002) रिलीज हुई, जिसमें उनकी अभिनय को खूब सराहा गया और उन्होंने कई पुरस्कार जीते। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी वास्तविकी और अंतर्राष्ट्रीय सफलता 2016 में आई 'द सेल्फी' थी, जिसे असार फरहादी ने निर्देशित किया था। इस फिल्म में 89 वें अकादमी पुरस्कारों ('ऑरकर') में सर्वश्रेष्ठ विवरणी भाषा की प्रत्यक्ष पुरस्कार जीता। इस फिल्म के माध्यम से उन्हें वैशिष्ट्यक पहचान मिली। हालांकि उन्होंने तकालीन अमेरिकी यात्रा प्रतिविधि के विरोध में ऑस्कर समारोह का बहिष्कार किया था, जो उनके राजनीतिक रुख का पहला बड़ा सकेत था।

तारानेह अलीदूस्ती आज सिर्फ उनके अभियान तक ही सीमित नहीं है। वह ईरान में महिलाओं के अधिकारों और अधिकारियों की खतंत्रता एवं पुरस्कार की ऊँचाई करने में भी ऊँचाई कर रही है। 2022 में अलीदूस्ती की मौत के बाद ईरान में हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान, वह प्रशंसनकारियों के समर्थन में खुलकर सामने आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने उन्हें 'झूठे फैलाने' और 'देश विरोधी प्रवारा' के आरोप में प्रियकार कर लिया। 18 दिनों तक जेल में रुदने के बाद, उन्हें जनवरी 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी गिरजातारी ने दुनियाभर में मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा और उनकी रिहाई के लिए व्यापक अधियान चलाए गए।

## मॉडल आण द वीक



नाम: चिंकी सिंह

ठाउन: कानपुर

एजुकेशन: स्नातक की पढ़ाई जारी

अचीवमेंट: शान-ए-

कानपुर का खिताब

ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

### जिंदगी का सफर

## क्लासिक वहीदा



वहीदा रहमान भारतीय सिनेमा की महत्वपूर्ण अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनकी सुन्दरता, गरिमा और अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता है। वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपूर में एक तमिल मुरिलम परिवार में हुआ था। वह बचपन से ही एक प्रीरिका भरतार्याम नर्तकी थीं। अपने परिवार की अर्थिक मदद के लिए, उन्होंने डॉक्टर बनने का अपना सपना छोड़ और पिल्लों में प्रशंसा किया। उन्होंने सबसे पहले तेतुगु और अंगिल फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उनकी प्रारिका को हिंदी सिनेमा में फिल्म निमांगा गुरु दत्त ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'सी. आई.डी.' (1956) से हिंदी फिल्मों में लॉन्च किया। गुरु दत्त के साथ उनकी साझेदारी ने भारतीय सिनेमा को कई क्लासिक फिल्मों दी, जिनमें 'पासा' (1957) का पांज के पूर्व (1959) और 'साहिब खाना' (1962) की थीं।

1960 के दशक के मध्य में वहीदा रहमान ने शीर्ष अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह बनाई। उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक 'गाड़' (1965) में 'रोजी' की थी, जिसने उन्हें व्यापक प्रशंसन और पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, उन्होंने 'तीसरी कमरा' (1966), 'नील कमल' (1968) और 'खामोशी' (1969) जैसी कई सफल फिल्में दीं।

1974 में अभिनेत्री शशि रेडी (कमलजीत) से शादी करने के बाद, उन्होंने अधिनय से ब्रेक ले लिया और बंगलुरु चली गई। 2000 में अपने पति की मृत्यु के बाद, वह मुंबई लौट आई और सहवायक भूमिकाओं में काम की। उन्होंने 'वारद' (2005), 'रंग दे बसंती' (2006) और 'दल्ली 6' (2009) जैसी फिल्मों में काम







